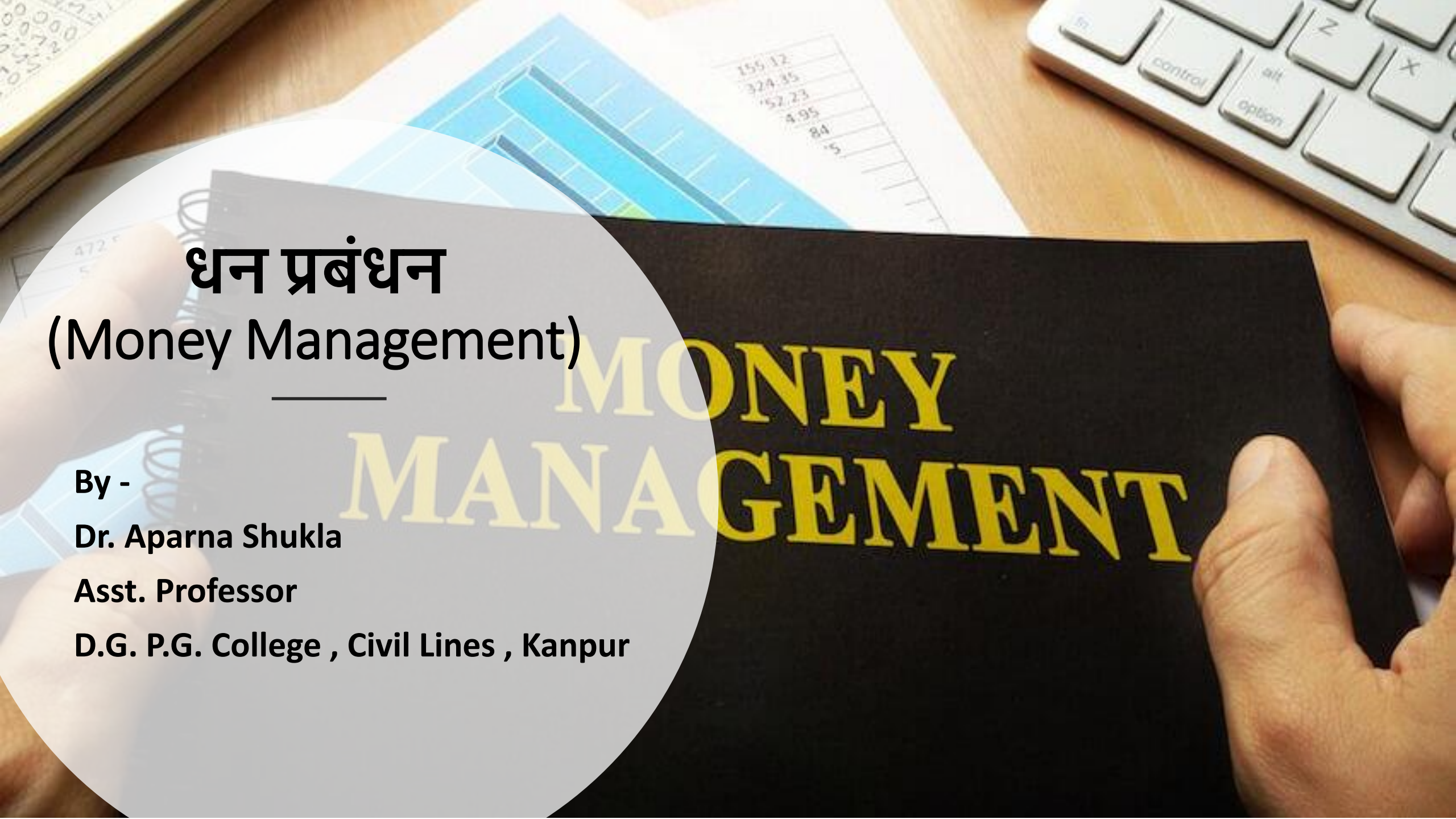

धन प्रबंधन
(Money Management)

By -

Dr. Aparna Shukla

Asst. Professor

D.G. P.G. College , Civil Lines , Kanpur

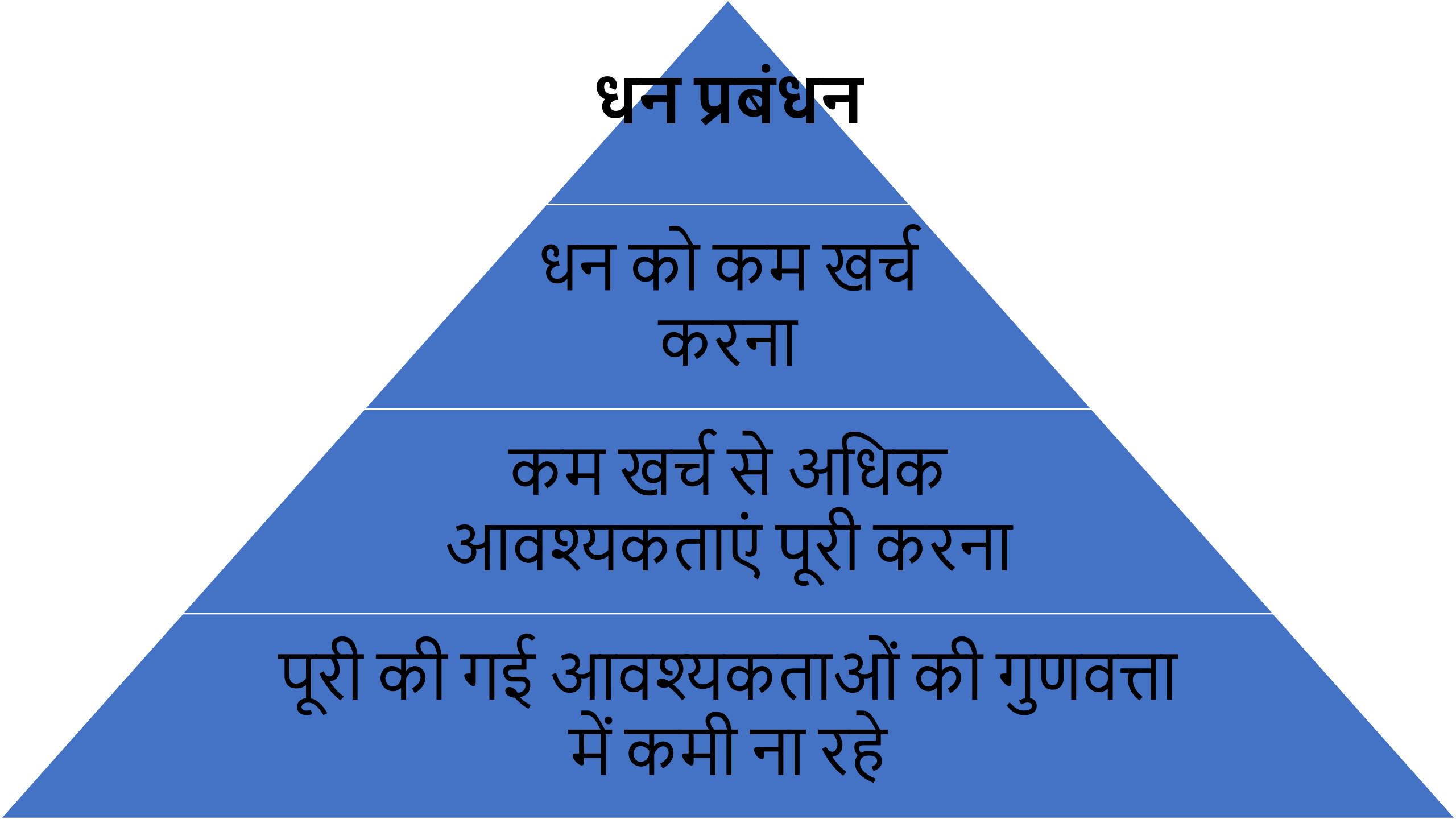
धन प्रबंधन
धन को कम खर्च करना
कम खर्च से अधिक आवश्यकताएं पूरी करना
पूरी की गई आवश्यकताओं की गुणवत्ता में कमी ना रहे

पारिवारिक आय

किसी भी परिवार की धन के रूप में आय ही उसका प्रमुख स्रोत होती है । व्यक्ति में अपने ज्ञान, योग्यता और कुशलता से काम करने तथा उससे धन कमाने की सामर्थ्य होती है। परिवार के सदस्यो हारा एक निश्चित अवधि में कमाए गये धन को पारिवारिक आय कहा जाता है ।

प्रो. ग्रॉस व क्रेडल के अनुसार, पारिवारिक आय मु द्रा, वस्तुओं सेवाओं तथा सन्तोष का प्रवाह है जो प रिवार के अधिकार में आवश्यकताओं व इच्छाओं को पूर्ण करने एवं उत्तरदायित्वों के निर्वाह हेतु आ ता है।"

निकल और डारसी के अनुसार, "आय पैसे, वस्तुओं, सेवाओं और सन्तोष का वह प्रवाह है, जो परिवार को अपनी आवश्यकताओं और इच्छाओं को पूरा करने के लिए जिम्मेदारियाँ निभाने के लिए प्राप्त होती हैं।"

पारिवारिक आय को प्रभावित करने वाले कारक -

1.जिस परिवार की वास्तविक आय (समुदाय द्वारा प्रदान सुविधाएं एवं मुद्रा के बदले प्राप्त सेवाएं एवं सुविधाएं) अधिक होगी ।उस परिवार का रहन-सहन का स्तर उतना ही ऊंचा होता है ।

2.मुद्रा की क्रय शक्ति पर क्रय की जाने वाली वस्तुओं की संख्या एवं मात्रा निर्भर करती है । क्रय शक्ति अधिक होने से अधिक वस्तुएं एवं सेवाएं प्राप्त की जा सकती है ।

3. कुशल प्रबंधन का गुण परिवार के स्तर को ऊंचा ले जाता है क्योंकि वह अपनी आय को सोच समझकर विवेकपूर्ण ढंग से खर्च करती है ।

4.जिस परिवार में कमाने वाले सदस्य जितने अधिक होंगे । उस परिवार का रहन-सहन का स्तर उतना ही अच्छा होगा ।

5. संयुक्त परिवार में परिवार की आय अधिक एंव व्यय कम होता है क्योकि घर खर्च सब मिलकर बांट लेते है।

6. यदि घर में प्रयुक्त होने वाली वस्तुये एवं उनकी सेवाओ की अच्छी देखभाल की जाए तो वो अधिक समय तक टिकाऊ एवं उपयोगी बनी रह सकती है।

7 . उपयोग प्रवृत्ति वाले परिवार की आय आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाले परिवार की अपेक्षा अधिक होते हुए भी कर होती है क्योकि उनकी आवश्यकताएँ अधिक होती है। वे उसे पूरा करने मे पूरा जीवन लगा देते है, फिर भी असन्तुष्ट ही रहते है।

8. सरकार जनता की भलाई के लिये पार्क, बाग बगीचे, अस्पताल , विद्यालय, यातायात सुविधा ,सडक आदि बनवाती है। इन सेवाओ का अधिकतम उपयोग कर व्यक्ति पारिवारिक आय में वृद्धि कर सकता है।

9. परिवार के सभी सदस्य जब मिलकर एक दूसरे का हाथ बटवाते है, तो व्यर्थ में होने वाले त्यय की रोका जा सकता है । जिस से आप ये वृद्धि होती है ।

10. जो परिवार चीजो को सोच समझकर खरीदता है ' उसके उपयोग के बाद सम्भालकर रखता है, वह परिवार चीजो का उपयोग लम्बे समय तक करता है ।

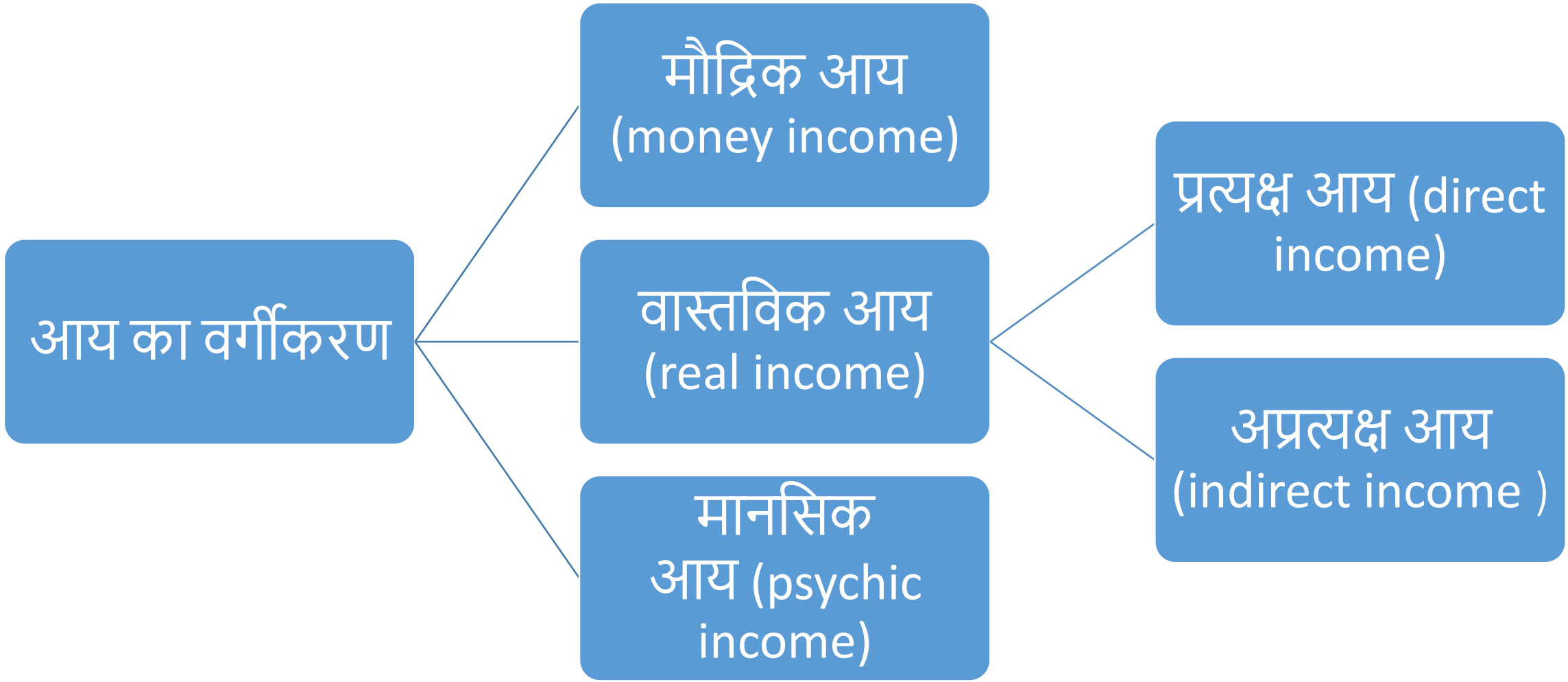
आय का वर्गीकरण
मौद्रिक आय (money income)
वास्तविक आय (real income)
मानसिक आय (psychic income)
प्रत्यक्ष आय (direct income)
अप्रत्यक्ष आय (indirect income)

पारिवारिक आय के साधन
Sources of family income

- वेतन (salary)
- मजदूरी (wages)
- लाभ (profits)
- ब्याज (interest)
- बोनस (bonus)
- लगान या किराया (rent)
- रॉयल्टी (रॉयल्टी)
- लॉटरी (lottery)
- बीमारी एवं दुर्घटना से प्राप्त राशि (compensation during illness and accident)

पारिवारिक व्यय (FAMILY EXPENDITURE)

विभिन्न साधनों से जो परिवार को आय प्राप्त होती है, उस आय को किन वस्तुओं पर कैसे, कब व कितना व्यय किया जाये यही पारिवारिक व्यय कहलाता है। आय को आवश्यकताओं की पूर्ति को सन्तुष्ट करने के लिए व्यय किया जाता है। अतः हम कह सकते हैं कि व्यय ही आवश्यकताओं को सन्तुष्ट करने का सबसे सरल तरीका है। आय का वह भाग जो मानव आवश्यकताओं की प्रत्यक्ष रूप से सन्तुष्टि करता है, व्यय कहलाता है।

shutterstock.com · 1933057079

व्यय के प्रकार
(Types of Expenditure)

व्यय को निम्न तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है-

1. निश्चित व्यय (Fixed Expenditure) यह व्यय प्रत्येक परिवार में निश्चित होते हैं जिनमें कोई भी परिवर्तन संभव नहीं होता है न तो इन्हें कम किया जा सकता है।

2. अर्द्ध-निश्चित व्यय (Semi Fixed Expenditure) अर्द्ध-निश्चित व्यय एस व्यय है जो परिवार द्वारा किये जाने आवश्यक है जिन्हें पूरा किये बगैर परिवार का कार्य नहीं चलता है किन्तु इन पर अपनी इच्छानुसार एव सुविधानुसार कमी या वृद्धि सम्भव है।

3. अन्य व्यय (Other Expenditure) अन्य व्यय का अनिश्चित व्यय भी कहते हैं अर्थात इन्हें बिल्कुल भी नहीं या अत्यधिक व्यय भी किया जा सकता है। यह परिवार की आय पर निर्भर करते हैं।

इसके अलावा परिवार में व्यय दो प्रकार से किये जाते हैं-

1. व्यक्तिगत व्यय - इसके अन्तर्गत वर्तमान आवश्यकताओं पर व्यय तथा भविष्य की आवश्यकताओं का सन्तुष्ट करने हेतु की गई बचत को शामिल किया जाता है।

2. सामाजिक व्यय - इसके अन्तर्गत आवश्यक व्यय जैस कर देना अपनी प्रतिष्ठा हेतु भेट उपहार इत्यादि देना तथा एच्छिक व्यय जैसे धर्मशाला इत्यादि बनवाना शामिल किया जाता है।

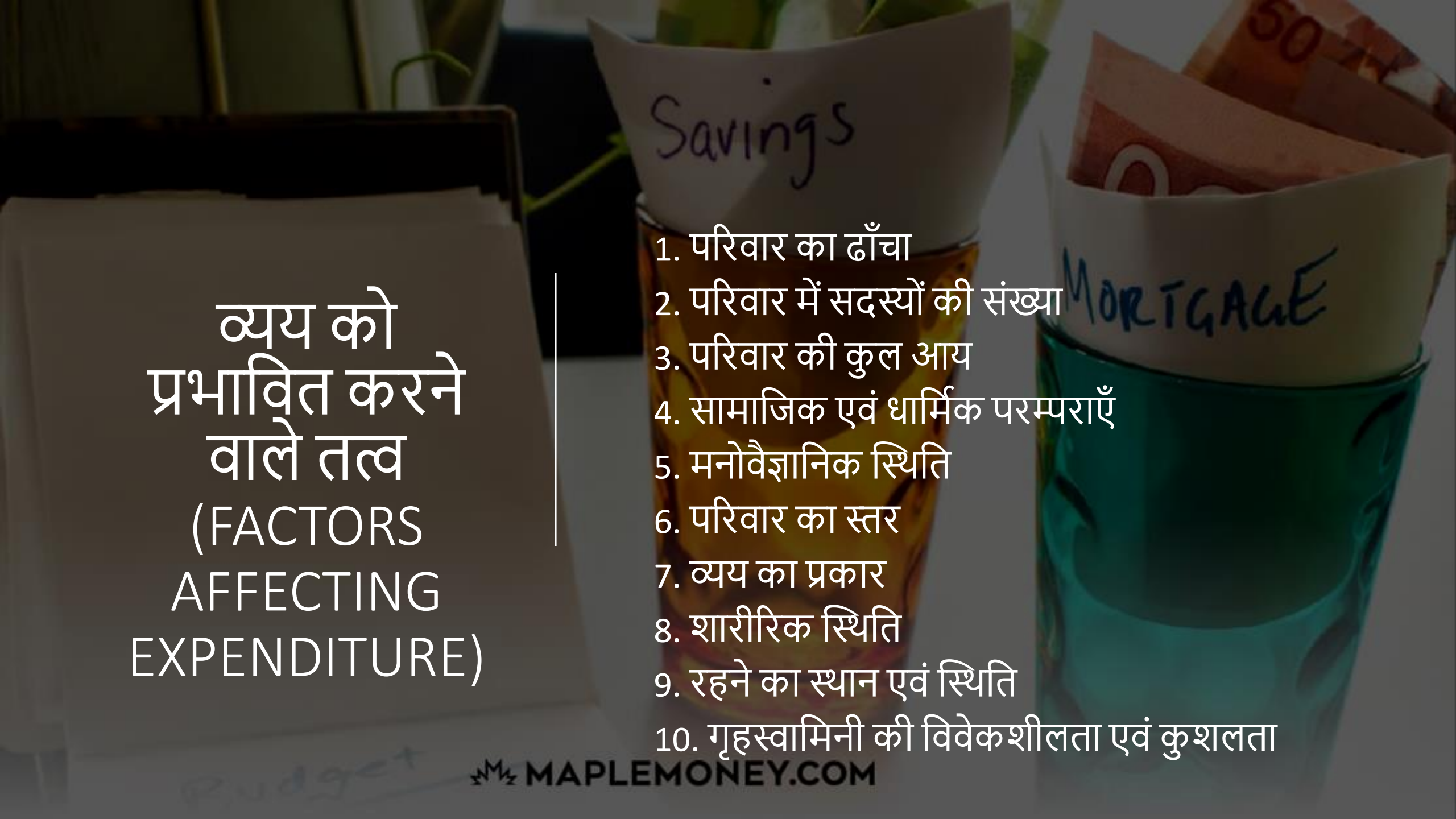

व्यय को प्रभावित करने वाले तत्व (FACTORS AFFECTING EXPENDITURE)

1. परिवार का ढाँचा
2. परिवार में सदस्यों की संख्या
3. परिवार की कुल आय
4. सामाजिक एवं धार्मिक परम्पराएँ
5. मनोवैज्ञानिक स्थिति
6. परिवार का स्तर
7. व्यय का प्रकार
8. शारीरिक स्थिति
9. रहने का स्थान एवं स्थिति
10. गृहस्वामिनी की विवेकशीलता एवं कुशलता

MAPLEMONEY.COM

बचत (Saving)

कीन्स के अनुसार वर्तमान आय का वर्तमान उपभोग व्यय पर आधिक्य को बचत कहा जाता है। उसे नियमित रूप से जमा करें, छोटी बचत की रकम ही इकट्ठी होकर बड़ी रकम बनकर हमारा कार्य पूरा करती है। अत: बचत वह धन है, जो उत्पादक कार्यों में विनियोजित किया जाए और निश्चित समयोपरान्त बढ़ी हुई धनराशि के रूप में प्राप्त हो।

बचत के निर्धारक तत्व (FACTORS DETERMINING SAVING)

परिवार बचत करेगा या नहीं, इसके निर्धानम् -

1. बचत करने की क्षमता (Ability to Save)
2. चकच्छ (Desire to Save)
3. बचत करने की सुविधायें (Opportunity to Save)

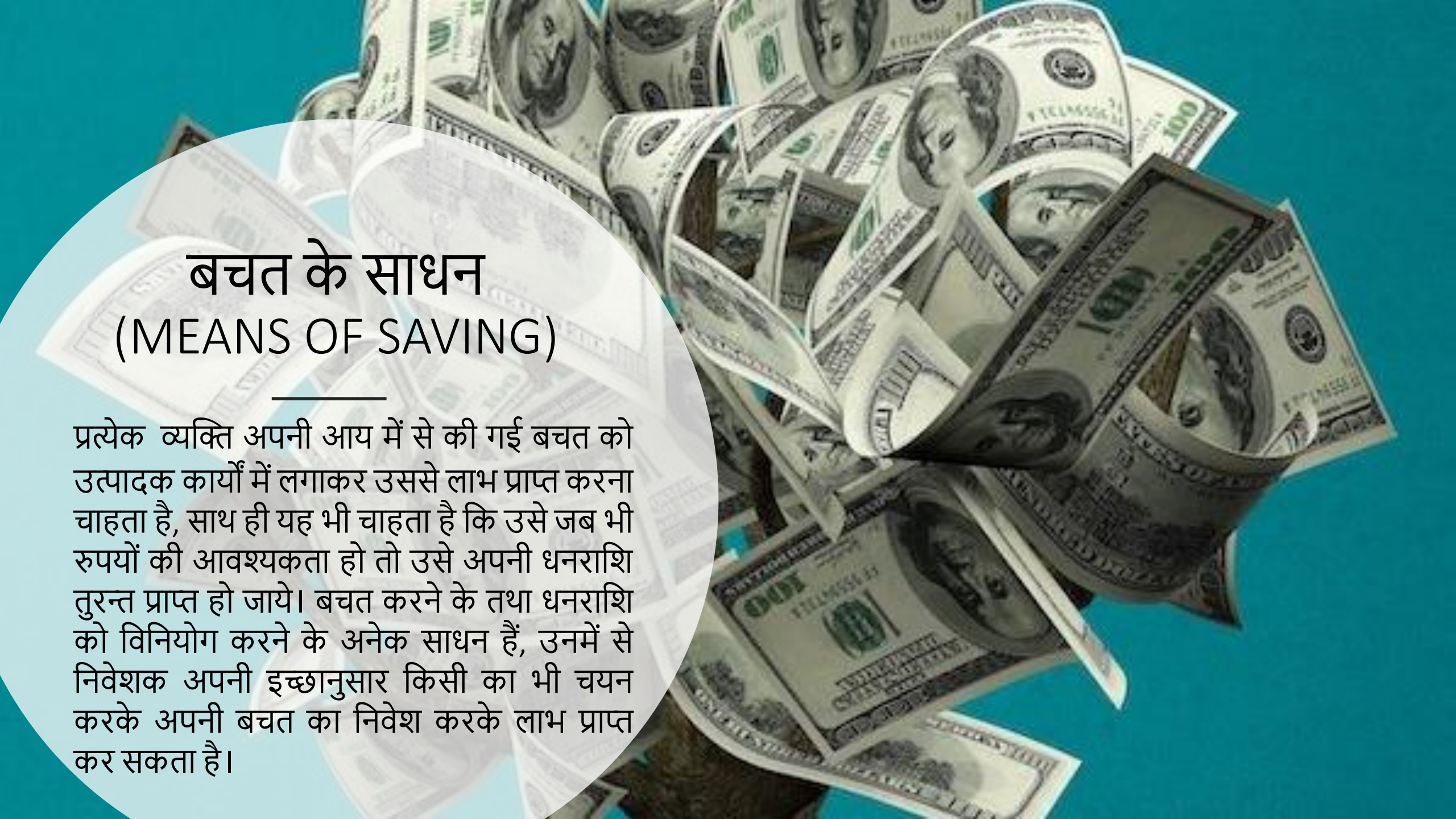

बचत के साधन
(MEANS OF SAVING)

प्रत्येक व्यक्ति अपनी आय में से की गई बचत को उत्पादक कार्यों में लगाकर उससे लाभ प्राप्त करना चाहता है, साथ ही यह भी चाहता है कि उसे जब भी रुपयों की आवश्यकता हो तो उसे अपनी धनराशि तुरन्त प्राप्त हो जाये। बचत करने के तथा धनराशि को विनियोग करने के अनेक साधन हैं, उनमें से निवेशक अपनी इच्छानुसार किसी का भी चयन करके अपनी बचत का निवेश करके लाभ प्राप्त कर सकता है।

बचत के साधन निम्नलिखित हैं-

1. बैंक (Bank)
2. डाकघर बचत बैंक (Post-office Saving Bank)
3. जीवन बीमा (Life Insurance)
4. राष्ट्रीय बचत पत्र (National Saving Certificate)
5. यूनिट्स (Units)
6. उपहार कूपन (Gift Coupons)
7. लाटरी चिट व्यवस्था (Lottery Chit System)
8. हिस्से या अंशदान (Shares)
9. ऋण-पत्र (Debentures)
10. प्रॉविडेण्ट फण्ड (Provident Fund)

पारिवारिक बजट
(Family Budget)

सामान्य रूप से परिवार एक व्यापारिक केन्द्र के समान है, जहाँ परिवार के प्रत्येक सदस्य की आवश्यकताओं की पूर्ति की जाती है। आय एवं व्यय की प्रक्रिया प्रत्येक परिवार में अनवरत रूप से चलने वाली प्रक्रिया है और इस प्रक्रिया को व्यवस्थित रूप में अंकित कर देने वाला प्रपत्र ही पारिवारिक बजट कहलाता है।

बजट की परिभाषा (DEFINITION OF BUDGET)

बजट किसी निश्चित अवधि के पूर्व अनुमानित आय-व्यय के विस्तृत ब्यौरे को कहते हैं। आय से अधिकतम सन्तोष प्राप्त करने के लिए व्यय को आय के अनुसार विभिन्न मदों में व्यय करने से पूर्व अनुमानित ब्यौरा बनाना पड़ता है। बजट आय-व्यय का सन्तुलन होता है, जिसमें कुछ आय बचत के लिए भी रखी जाती है, ताकि आकस्मिक खर्चा आने पर उस पर व्यय किया जा सके।

बजट के लाभ
(Advantages of Budget)

बजट के कई लाभ है जो निम्नानुसार हैं -

1. यह हमें अपने जीवन के अतिरिक्त सबसे अधिक महत्वपूर्ण वस्तु की आवश्यकता को निर्धारित करने हेतु दबाव डालता है (It Forces You to Decide What You Must Want Out of Life)- हम सभी में संचय की प्रवृत्ति होती है। यह एक स्वस्थ प्रवृत्ति होती है कि हम सोचने पर बाध्य हो कि पैसे का सही उपयोग कैसे किया जाय। बजट इसी सोच को दिशा देता है। बजट के अनुसार हमें अपनी वास्तविक आय का पता चलता है जिससे हम सपने देखना बन्द कर देते हैं और यह निश्चित करते है कि हम वास्तव में क्या प्राप्त कर सकते हैं।

2. यह हमे अपनी आय की सीमा में रहने हेतु सहायक होता है (It can Help You to Live WIthin Your Income) बजट द्वारा यह देखा जा सकता है कि किस मद पर अनावश्यक व्यय हो रहा है। जब हमें अपने अनावश्यक व्यय का पता चल जाता है तो हम उसे रोक सकते हैं।

3. ये दीर्घकालीन लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होता है (It can Help You to Achieve Your Long Range Goals) - यह बजट का बहुत बड़ा लाभ है। केवल आयोजन करने से और भविष्य की ओर देखने से ही हम अपनी आधारभूत आवश्यकता और लक्ष्य के अनुसार व्यय कर सकते हैं और अपने जीवन को सुखमय और अपना स्तर उन्नत कर सकते

4. यह अनावश्यक व्यय को हटाने में सहायक होता है (It can Help You to Eliminate Wasteful Spending) बजट द्वारा ये देखा जा सकता है कि किस मद पर अनावश्यक व्यय हो रहा है। जब हमें अपने अनावश्यक व्यय का पता चल जाता है तो हम उसे रोक सकते हैं।

पारिवारिक बजट के प्रकार (TYPES OF FAMILY BUDGET)

पारिवारिक बजट अनेक प्रकार से बनाये जाते है -

(1) वास्तविक बजट और सैद्धान्तिक बजट (Actual and Theoretical Budget)- वास्तविक बजट किसी एक परिवार के आय-व्यय के वास्तविक ब्यौरे को कहते हैं। इनके द्वारा परिवार की आप तथा व्यय की वर्तमान स्थिति का सही ज्ञान होता है। ये कभी भी दो परिवारों में समान नहीं होते और एक ही परिवार के हर माह के भी समान नहीं होते, क्योंकि परिवारों की आवश्यकतायें परिवर्तित होती रहती है।

सैद्धान्तिक बजट से तात्पर्य किसी विशेष वर्ग के परिवारों की वांछित व्यय की रूपरेखा से है।

(2) औसत बजट (Average Budget)- औसत बजट किसी वर्ग विशेष के समस्त परिवारों की औसत आय और व्यय को बताते हैं। ये उनकी आय तथा विभिन्न वस्तुओं पर व्यय के औसत को निकालकर बनाये जाते है। उनसे इस वर्ग की विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं पर व्यय की एक सामान्य प्रवृत्ति का ज्ञान होता है।

(3) प्रमाणित या आदर्श बजट (Standard or Ideal Budget)- ये बजट औसत परिवारों के लिए आदर्श व्यय की रूपरेखा को बताते हैं। इनमें कुछ अच्छे बजट आदर्श मान लिये जाते हैं और इन्हीं के आधार पर परिवारों के बजट बनाये जाते हैं।

(4) वस्तुओं की मात्रा तथा मूल्य बजट (Quantity and Cost Budget)-इन बजटी में किसी परिवार में एक निश्चित समय में क्रय की गयी वस्तुओं और सेवाओं की मात्रा तथा उनके मूल्यों का विवरण रहता है। इनसे जीवन निर्वाह व्यय का और उसमें परिवर्तनों का सही-सही अनुमान लगाया जा सकता है।

(5) पूर्ण अथवा आंशिक बजट (Complete or Partial Budget)- जब व्यक्ति सम्पूर्ण व्यय की योजना बनाते हैं तब उन्हें पूर्ण बजट कहते हैं। कभी-कभी व्यक्ति छोटे-छोटे दैनिक व्यय के लिए कोई योजना नहीं बनाते केवल बड़े-बड़े और प्रमुख मदों पर व्यय की योजना बनाते हैं, उन्हें आंशिक बजट कहते है।

(6) सन्तुलित बजट (Balanced Budget)- सन्तुलित बजट से अभिप्राय ऐसे बजट से है जिसमे अनुमानित आय और प्रस्तावित व्यप बिल्कुल समान हो अर्थात् जिसमें न तो बचत का स्थान हो और न उधार लेने की आवश्यकता हो।

(7) बचत का बजट (Surplus Budget)-बचत के बजट से अभिप्राय ऐसे बजट से है जिसमें अनुमानित आय ज्यादा व प्रस्तावित व्यय कम होता है अर्थात सभी आवश्यकताओं पर व्यय करने के याद शेष आय को बचत दर्शाया गया होता है। इस प्रकार के बजट परिवारों को आर्थिक सुरक्षा को भावना प्रदान करते है और बहुत लाभप्रद होते हैं।

(8) घाटे का बजट (Deficit Budget)-घाटे का बजट से तात्पर्य उस बजट से है जिसमें अनुमानित आय कम व प्रस्तावित व्यय अधिक होता है। इसमें व्यय पूरा करने के लिए या तो उधार लेना पड़ता है या पूर्व संचित धन का उपयोग करना पड़ता है। इस प्रकार का बजट परिवार के लिए। नुकसानदायक होता है।

बजट की मुख्य मदें
(Main Items of Budget)

पारिवारिक बजट की मुख्य मदें अग्रलिखित हैं -

1 मकान (House)
2. भोजन (Food)
3. कपड़ा (Clothes)
4. घर के अन्य खर्च (Other Expenditure of the House)
5. शिक्षा एवं स्वास्थ्य (Education and Health)
6. व्यक्तिगत खर्च (Personal Expenditure)
7. बचत (Saving)

बजट का महत्व

सामान्यत प्रत्येक परिवार में धन एक सीमित साधन होता है जबकि आवश्यकताए असीमित होती है। इन असीमित आवश्यकताओं को सीमित धन में तभी पूरा किया जा सकता है जब कुशल योजना बनाई जाए बजट द्वारा उचित क्रय किया जा सकता है।

1. परिवार के लिए महत्व (Importance for Family) सामान्यत प्रत्येक परिवार में धन एक सीमित साधन होता है जबकि आवश्यकताएं असीमित होती है। इन असीमित आवश्यकताओं को बजट द्वारा ही ठीक प्रकार से समायोजित करके असीमित आवश्यकताओं में वितरित कर सकते हैं।

2. समाजशास्त्रियों के लिए महत्व (Importance for Sociologist) समाजशास्त्री बजट के अध्ययन द्वारा परिवार के संगठन और व्यय का तुलनात्मक अध्ययन कर सकते हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति किस प्रकार पारिवारिक विघटन पर प्रभाव डालती है यह भी समाजशास्त्रियों के अध्ययन का विषय है।

3. राजनीतिज्ञों के लिए महत्व (Importance for Politicians) राजनीतिक बजट के अध्ययन के अनुसार कर प्रणाली का निर्धारण करते है। कर लगाने के पश्चात जनता पर उसका क्या प्रभाव पड़ रहा है इसका अध्ययन भी बजट द्वारा किया जाता है।

4. समाज सुधारकों के लिए महत्व (Importance for Social Workers). बजट के द्वारा समाज सुधारकों को यह पता चलता है कि जनता में किस प्रकार की वस्तुओं की आदत पड़ रही है अर्थात् अनावश्यक व्यय तो नहीं हो रहा है। वे बजट के अध्ययन के पश्चात् सामाजिक दशाएँ सुधारने का प्रयास करते हैं।

5. सरकार के लिए महत्व (Importance for Government)- सरकार को बजट के द्वारा विभिन्न वर्गों की स्थिति का पता चलता है। इससे सरकार आर्थिक नीतियों का निर्धारण करती है। इसी के अनुरूप वह कर प्रणाली विकसित करती है।

एजिल का उपभोग नियम
(ENGEL'S LAW OF CONSUMPTION)

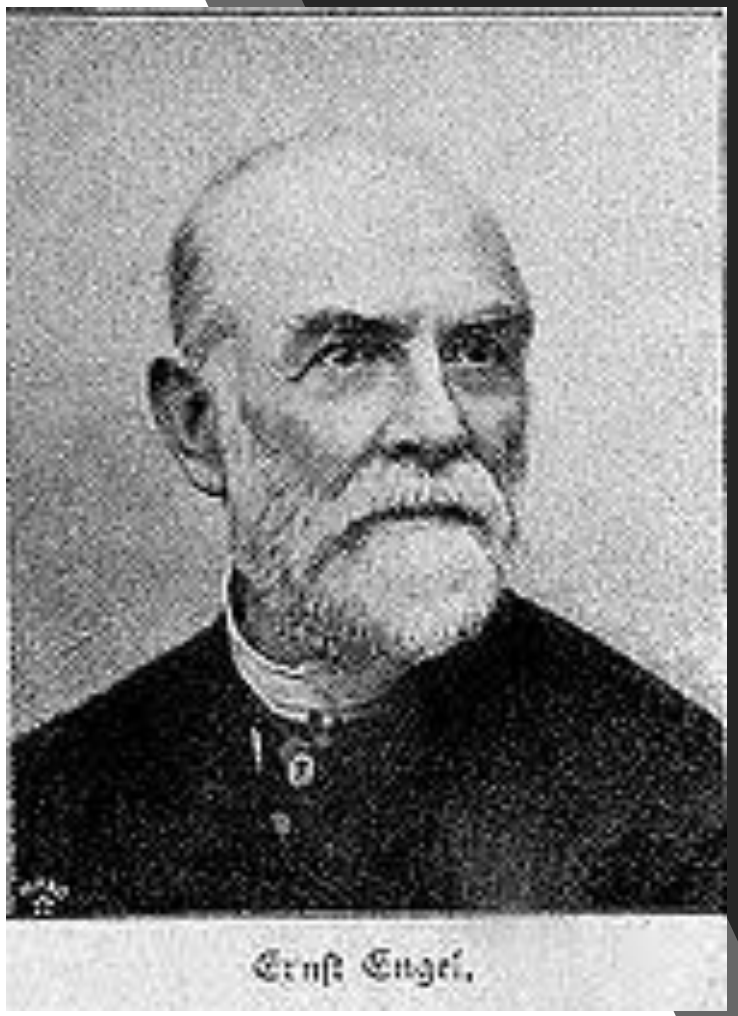

सन 1857 में प्रसिद्ध जर्मन अर्थशास्त्री अर्नेस्ट एजिल (Ernest Engle) ने जीवन की विभिन्न आवश्यकताओं पर जीवन स्तर के अनुकूल व्यय का प्रतिशत निर्धारित किया है, जिसे एंजिल का सिद्धान्त (Engel's Law) कहा जाता है। उन्होंने जर्मनी के सेक्सोनी (Saxony) प्रान्त में रहने वाले परिवारों के पारिवारिक बजटों का अध्ययन कर उपभोग सम्बन्धी नियम प्रतिपादित किया था। उन्होंने परिवारों को तीन वर्गों में बॉट कर उनके पारिवारिक बजटों के आधार पर कुछ नियम निकाले थे थे ही एंजिल के उपभोग के नियम के नाम से जाने जाते है। ये निष्कर्ष निम्न हैं -

1. आय में वृद्धि होने के साथ भोजन पर प्रतिशत व्यय कम होता जाता है।

2. आय में परिवर्तन होने पर भी वस्त्र पर होने वाला प्रतिशत व्यय समान रहता है।

3. आय घटने-बढ़ने पर भी मकान प्रकाश तथा ईंधन पर प्रतिशत व्यय स्थिर रहता है।

4. आय बढ़ने पर शिक्षा, स्वास्थ्य मनोरंजन व्यक्तिगत सेवाओं पर प्रतिशत व्यय में वृद्धि होती है। इसका तात्पर्य यह है कि आमदनी के बढ़ने पर मूल आवश्यकताओं पर व्यय का प्रतिशत बढ़ता नहीं है वरन भोजन पर व्यय की प्रतिशत की मात्रा कम होने लगती है, परन्तु सांस्कृतिक एवं विलासितापूर्ण आवश्यकताओं पर व्यय का प्रतिशत आय के बढ़ने के साथ-साथ बढ़ता जाता है। व्यक्ति अपने बच्चों को आय बढ़ने के साथ महँगे से महँगे स्कूल में पढ़ने भेज सकता है. मनोरंजन पर व्यय बढ़ जाता है. नयी फैशन की वस्तुयें प्राप्त की जा सकती हैं, जिससे व्यक्ति कभी सन्तुष्ट नहीं होता।

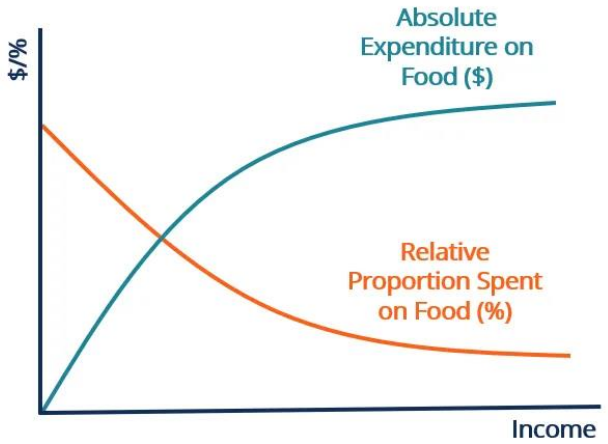

एंजिल का व्यय सिद्धान्त

क्र.सं.	व्यय की मदें	व्यय (आय के प्रतिशत के रूप में)			निष्कर्ष
		निम्न वर्ग	मध्यम वर्ग	धनिक वर्ग	
1.	भोजन	60%	55%	50%	प्रतिशत व्यय घट रहा है।
2.	वस्त्र	18%	18%	18%	प्रतिशत व्यय स्थिर है।
3.	मकान	12%	12%	12%	
4.	प्रकाश, ईंधन	5%	5%	5%	
5.	शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन आदि	5%	10%	15%	प्रतिशत व्यय बढ़ रहा है।

उपर्युक्त तालिका में व्यय आय के प्रतिशत के रूप में दिखाया गया है जहाँ भोजन पर व्यय का प्रतिशत घटता है, वहाँ आय में वृद्धि के साथ-साथ भोजन पर व्यय की गयी कुल धनराशि बढ़ जाती है। उदाहरण के लिए दो परिवार जिनकी आय क्रमशः 1,000 रुपये व 5,000 रुपये है। भोजन पर 60 प्रतिशत और 55 प्रतिशत व्यय करते हैं, अर्थात् 6.00 व 2,750 रुपये क्रमश व्यय करते हैं, इसी प्रकार वस्त्र एवं मकान पर यद्यपि व्यय का प्रतिशत स्थिर रहता है, फिर भी आय में वृद्धि के साथ-साथ इन मदो पर कुल व्यय की राशि बढ़ जाती है। जैसे दोनों परिवार 12% के हिसाब से 120 रुपये व 600 रुपये व्यय करेगा। एंजिल के उपर्युक्त बजट में बचत के लिए कोई प्रावधान नहीं रखा गया है, जबकि आज के युग में बचत प्रत्येक परिवार के लिए अनिवार्य है। अतः एक आदर्श बजट वही होगा जिसमें बचत को भी स्थान दिया जायेगा।

बजट का नमूना (SPECIMEN OF BUDGET)

क्र.स.	व्यय की मदें	निम्न वर्ग	मध्यम वर्ग	धनिक वर्ग
1.	भोजन	60%	55%	50%
2.	वस्त्र	10%	10%	10%
3.	मकान	10%	10%	10%
4.	अन्य घरेलू व्यय	2%	2%	2%
5.	व्यक्तिगत खर्च	3%	3%	3%
6.	शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन	5%	10%	15%
7.	बचत	10%	10%	10%
	कुल योग	100%	100%	100%

THANK
YOU